वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 319 | रविवार 19 मार्च 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विधानसभा चुनाव से पहले ब्राह्मण जयपुर में आज करेंगे महापंचायत

जगदगुरू रामभद्राचार्य, गडकरी और धीरेंद्र शास्त्री का होगा संबोधन, ट्रैफिक रूट में हुआ बदलाव

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान में चुनावी साल शुरू होने के साथ ही शक्ति प्रदर्शन का सिलसिला भी शुरू हो गया है। जाटों के बाद अब राजस्थान में ब्राह्मण एकजुट होकर सियासी संदेश देना चाहते हैं। यहीं कारण है कि 19 मार्च को जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में विप्र सेना की ओर से ब्राह्मण महापंचायत बुलाई गई है। जिसमें देशभर के ब्राह्मण समाज के लोगों को न्योता दिया गया है। आयोजकों के अनुसार ब्राह्मण महापंचायत में दो लाख से ज्यादा की तादाद में ब्राह्मण समाज के लोग शामिल होंगे। जो चिंतन और मनन करके ब्राह्मण समाज के भविष्य की योजनाओं का निर्णय लेंगे। दरअसल, राजस्थान में ब्राह्मण समाज की 85 लाख से ज्यादा आबादी है। 50 से ज्यादा विधानसभा सीटों पर

स्वर्ण वोटबैंक के चलते हार जीत का फैसला होता है। लेकिन राजस्थान में कुल 200 विधायकों में से 18 विधायक ब्राह्मण समाज से आते हैं। ऐसे में राजनैतिक हाशिये से फिर से मुख्यधारा में आने के लिए शक्ति प्रदर्शन किया जा रहा है। महापंचायत के आयोजन विप्र सेना प्रमुख सुनिल तिवाड़ी ने बताया कि समाज के प्रतिष्ठित लोग महापंचायत को सफल बनाने में जुटे हुए हैं। ऐसे में इस महापंचायत में 4 से 5 लाख लोगों के आने कि सम्भावना है। इसके लिए लोगों के आने-जाने के लिए प्रदेशभर में करीब 4 हजार छोटे-बड़े वाहनों की व्यवस्था की गई है। कल राजस्थान के बाहर से हरियाणा, गुजरात, झारखंड से भी बड़ी संख्या में लोग ब्राह्मण महापंचायत में पहुंचेंगे। ऐसे में समाज के लोगों की ओर से ही बाहर से आए मेहमानों के लिए घर के भोजन की व्यवस्था भी की गई है। विप्र सेना प्रमुख सुनील तिवारी ने बताया कि ब्राह्मण महापंचायत के दौरान मंच पर सिर्फ और महात्माओं को ही जगह दी जाएगी। इस दौरान देश भर से 75 से ज्यादा संत महापंचायत में शामिल होंगे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और अजय भट्ट वर्चुअल महापंचायत में शामिल होंगे। जबकि बागेश्वर धाम के आचार्य धीरेंद्र शास्त्री मंच से महापंचायत को संबोधित करेंगे। इस दौरान दो हेलीकॉप्टर से पूरे जयपुर शहर में पुष्प वर्षा की जाएगी। क्योंकि देश भर से ब्राह्मण समाज के लोग जयपुर की सड़कों के माध्यम से ही महापंचायत तक पहुंचेंगे।

नेपाल निर्वाचन आयोग का प्रतिनिधिमंडल आया जयपुर

भारत की निर्वाचन प्रक्रिया की प्रशंसा की

जयपुर। भारत के पड़ोसी देश नेपाल के निर्वाचन आयोग का एक प्रतिनिधिमंडल निर्वाचन प्रक्रिया, मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया, ईवीएम, वीवीपीएटी, आईटी संबंधी विशिष्ट जानकारी लेने जयपुर आया। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान प्रवीण गुप्ता एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ संवाद किया। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल को भारत में अपनाई जाने वाली निर्वाचन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 17 वर्ष से अधिक आयु के युवा का नाम मतदाता सूची में जोड़ने की अभिनव पहल की गई है। जिसमें 17 वर्ष का होते ही युवा मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए आवेदन कर सकते हैं और 18 वर्ष का होने पर स्वतः ही उनका नाम मतदाता सूची में जुड़ जाएगा। गुप्ता ने उन्हें निर्वाचन प्रक्रिया में आईटी के अभिनव प्रयोग के बारे में भी जानकारी दी और बताया कि आईटी के प्रयोग से भारत में निर्वाचन प्रक्रिया पूर्णतया गोपनीय एवं निष्पक्ष रूप से संचालित की जाती है।

खुर्शीद बोले- गहलोत-पायलट की लड़ाई में दखल देना होगा

मैं सचिन की जगह होता तो सोचता कल हमारा है, आज की चिंता क्यों करें?

जयपुर. कासं

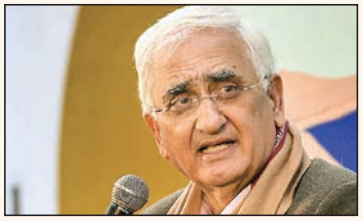

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने राजस्थान में सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट को आपसी मतभेद सुलझाकर एक होने की सलाह दी हैं। खुर्शीद ने कहा कि मेरी तो सलाह यह है कि आप लोग अच्छे रहो, साथ रहो तो हम लोग बच जाएंगे। हम जहां कुछ नहीं कर पाए, वहां एक संदेश जाएगा कि जहां हमारे किले हैं, वे मजबूत हैं। राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश में हमारे किले मजबूत रहेंगे तो उसका असर यूपी पर भी पड़ेगा। खुर्शीद शनिवार को जयपुर में मीडिया से बात कर रहे थे। खुर्शीद ने कहा कि गहलोत और पायलट दोनों का ही अपना स्थान है। मैं सचिन की जगह होता तो मेरे मन में यह विश्वास होता कि आने वाला कल हमारा है तो आज की क्यों चिंता करें? पायलट को लेकर खुर्शीद ने कहा- मैं उनका बड़ा सम्मान करता हूं। पायलट मेरे दोस्त के बेटे हैं। उन्हें बचपन से देखा है, वे जवान हैं और राजस्थान में बहुत काम किया है। गहलोत का प्रभाव है। वे अनुभवी नेता हैं। वे केंद्र में भी रहे हैं, हम सब उनके प्रशंसक हैं। उनके साथ काम करने का अवसर भी प्राप्त हुआ है। हमें उन पर बड़ा विश्वास है, उनकी जो कार्यशैली है, मुझे उम्मीद है कि सब सूझबूझ से आप लोग इकट्ठा होकर ही चुनाव लड़ेंगे। गहलोत-पायलट के बीच बातचीत तक बंद होने के सवाल पर खुर्शीद ने कहा कि हम में से किसी को दखल देना होगा। ऐसा कई बार होता है, सास-बहू की लड़ाई होती है, तो सास कहती है कि उसे बोल दो, वह दूसरे के जरिए बात कहलवाती है तो बातचीत चलती रहती है, लेकिन लगता है कि बात नहीं हो रही है।

सेंट्रल बैंक रिटायर्ड ऑफिसर्स एसोसिएशन राजस्थान का होली मिलन समारोह आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

सेंट्रल बैंक रिटायर्ड ऑफि सर्स एसोसिएशन राजस्थान के सदस्यों ने शनिवार को विनोभा ज्ञान मन्दिर बापू नगर में होली मिलन समारोह प्रांतीय अध्यक्ष पी सी सेठी की अध्यक्षता में आयोजित किया। समारोह में बैंक के पूर्व निदेशक सीए आर सी अग्रवाल, पूर्व जीएम एस आर खटीक, पूर्व डीजीएम बी एस राठौड़, जी एस कुंपावत,पी आर शर्मा तथा गुजरात के सुरेश गुप्ता को स्वागत के साथ मंच पर आमंत्रित किया गया। एसोसिएशन के क्षेत्रीय सचिव पदम जैन बिलाला ने बताया की समारोह में महासचिव एन के पारीक ने अपने उद्बोधन में पेन्सनर्स की वर्तमान समस्याओं व लम्बी अवधि से लंबित पेंशन संशोधन के ज्वलन्त मुद्दों पर सरकार व आई बी ए के साथ अभी तक हुई वार्ताओ के बारे में सदस्यों को विस्तार से बताया तथा कहा की एआईबीपीआरसी तथा यूएफबीयू इस मुद्दे के हल हेतु बराबर प्रयास कर रही है । इस मध्य एन के पारीक को एआईबीपीआरसी का रास्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर उनका तिलक माला सॉल व साफा पहना कर अभिनंदन किया गया जिसमें डी एन खण्डेलवाल बी एस राठौड़ सुरेश शर्मा चिरंजी लाल बी एल नागर शिवा नंद ललित शर्मा आदि ने सहयोग किया। सदस्यों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से सेवानिवृत्त वरिष्ठ जनों को एक साथ मिलने, बात करने व समस्याओं के हल जानने का अवसर मिलता है इसके साथ ही सभी ने एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के अंत में मनोज शर्मा ने मंचाशीन श्रेष्ठियों व पधारे वरिष्ठ जनो का आभार व्यक्त किया।

होली स्नेह मिलन व गणगौर महोत्सव मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान प्रदेश वैश्य महासभा महिला कार्यकारिणी का होली स्नेह मिलन व गणगौर महोत्सव विद्याधर नगर स्थित महासभा कार्यालय में धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर फाग गीतों पर प्रस्तुतियां व गणगौर माता की पूजा की गई। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए वैश्य महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश चंद गुप्ता ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा नारनौली की अध्यक्षता में हुए इस आयोजन में मेहंदी प्रतियोगिता रंगोली फाग महोत्सव एवं गणगौर महोत्सव गणगौर की पूजा अर्चना के कार्यक्रम हुए। इस मौके पर जिलाध्यक्ष निशा कंदोई,प्रदेश अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल राजेश अग्रवाल रमेश गोयल उमेश नारनौली रेनू गर्ग, ललिता कंदोई, बीना शाह,सीमा गुप्ता, संगीता, सुरेखा, राधा अग्रवाल, मंजू जालौन, मंजू परवाल, नमिता केडिया, कविता परसरामपुरिया, कविता गोयल, संतोष पारीक, पिंकी अग्रवाल व पार्षद वार्ड नंबर 21 प्रियंका अग्रवाल मौजूद रही।

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक शुरू

उदयपुर. शाबाश इंडिया

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) की मंत्रिमंडल एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक शनिवार को 200 फुट रोड स्थित भवगीत सेवा सदन सभागार में शुरू हुई। प्रारंभ में राष्ट्रीय अध्यक्ष युधिष्ठिर कुमावत और राष्ट्रीय कार्यकारिणी पदाधिकारियों ने भगवान श्री राम की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित किया। महामंत्री सूरजमल अडानिया ने गत बैठक की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए सभी का अभिवादन किया। दक्षिण पश्चिम जोन अध्यक्ष रमेश झारवाल ने सभी का स्वागत किया। कोषाध्यक्ष गोपाल अनावडिया ने आय-व्यय का ब्यौरा पेश किया। संविधान संशोधन समिति संयोजक हरिशंकर खण्डारिया ने संशोधन प्रस्ताव प्रस्तुत किया। बैठक में वरिष्ठ परामर्शदाता उदयपुर महापौर जीएस टांक मंचासीन अतिथि रहे। गौरतलब है कि महासभा की कार्यसमिति की बैठक रविवार को होगी। **रिपोर्ट/ फोटो: दिनेश शर्मा, मोबाइल: 9828540157**

भगवान महावीर के 2621 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

मुख्य प्रायोजक R K GROUP WONDER CEMENT Kishangarh, Rajasthan www.rkmarble.com | www.wondercement.com

सह प्रायोजक ARL Infratech Ltd.

सह प्रायोजक समाचार जगत

विभिन्न संस्थाओ के सहयोग से 30 स्थानों पर

रक्तदान शिविर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये ।।

मानव सेवार्थ 2621 यूनिट रक्त एकत्र करने के लक्ष्य के साथ निम्न 30 स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं ।

क्र.सं.	रक्तदान शिविर		रक्तदान शिविर स्थल	शिविर आयोजक	रक्तदान शिविर आयोजक			
	दिनांक	समय			अध्यक्ष	मंत्री/सचिव	सम्मानीय अतिथि	संयोजक
1.	19 मार्च	प्रातः 9 से 1 बजे तक	जैन भवन प्रेम कॉलोनी कल्याण नगर, टोंक रोड़	श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर कल्याण नगर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप डायमण्ड	श्री उत्तम राणा श्री प्रमोद जैन सोनी	श्री दिनेश धाडूका श्री रमेश छाबड़ा	श्री यशकमल-संगीता अजमेरा	श्री अमरचन्द-बीना गंगवाल श्री प्रवीण-मैना मित्तल
2.	19 मार्च	प्रातः 9 से 2 बजे तक	श्री आदिनाथ भवन, मीरा मार्ग जैन मन्दिर साकेत हॉस्पिटल के पास, मानसरोवर	सखी गुलाबी नगरी श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर	श्रीमती सारिका जैन श्री सुशील कुमार जैन	श्रीमती स्वाति जैन श्री राजेन्द्र कुमार सेठी	श्रीमती रश्मि-गजेन्द्र काला	श्रीमती मनिषा जैन श्रीमती रेशमा गोदिका श्रीमती आशा जैन श्रीमती रानी पाटनी
3.	19 मार्च	प्रातः 9 से 1 बजे तक	वेलटन हॉस्पिटल, 219-220, महावीर नगर, जैन मन्दिर के पास, टोंक रोड़, जयपुर	दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबी नगर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप मैत्री	श्री सुनिल बज श्री सुनिल बड़जात्या	श्री विनोद बड़जात्या श्री अजय जैन	-------	श्री कैलाश-शशि पाटनी श्री महावीर-मुन्ना देवी पाण्ड्या श्री रितेश-रीना अजमेरा श्री अमित-प्रीति जैन
4.	19 मार्च	प्रातः 9 से 1 बजे तक	श्री दिगम्बर जैन मन्दिर SFS, राजावत फार्म, मानसरोवर, जयपुर	श्री वर्धमान दिगम्बर जैन समिति श्री वर्धमान दिगम्बर जैन युवा मण्डल श्री वर्धमान दिगम्बर जैन महिला मण्डल	डॉ. राजेश काला श्री संदीप गंगवाल श्रीमती उर्मिला पाटनी	श्री सोभागमल जैन श्री जिनेन्द्र जैन श्रीमती उषा पापड़ीवाल	श्रीमती कुमकुम जैन श्री साकेत-सोनिया जैन श्री आदेश-प्रियंका जैन कुमकुम फोटो स्टूडियो, मानसरोवर	श्री कमलेश पाण्ड्या
5.	19 मार्च	प्रातः 11 से 2 बजे तक	अग्रवाल प्रोपर्टीज NRI जंक्शन, महल रोड़, जगतपुरा	अग्रवाल प्रोपर्टीज jaipurflat.com	श्री अशोक अग्रवाल श्री मुरारी लाल	-------	-------	श्री राकेश कुमार संघी
6.	19 मार्च	प्रातः 9 से 1 बजे तक	मंगलधाम, टोडरमल स्मारक भवन बापू नगर, जयपुर	दिगम्बर जैन महासमिति सी-ईकाई बापू नगर, जयपुर	श्री हीराचन्द बैद	श्री राकेश संघी	CA प्रदीप-सरोज जैन CA आशीष-अन्नू जैन	श्री कैलाश बक्शी

समाज भूषण स्वर्गीय श्री राजेन्द्र के. गोधा जी की पुण्य स्मृति में

भक्तामर स्तोत्र दीप अनुष्ठान एवं जीवन रक्षक सम्मान समारोह-2023

(रक्तदान शिविर आयोजन करने में सहयोग करने वाली समस्त संस्थाओं का सम्मान किया जायेगा)

रविवार, 2 अप्रेल 2023
सायं 7.00 बजे से
छतरी वाला भाग, भट्टारक जी की नशियां
नारायण सिंह सर्किल, जयपुर

:: आयोजन समिति ::

मुख्य समन्वयक यश कमल - संगीता अजमेरा | परामर्शक दर्शन - विनीता बाकलीवाल | समन्वयक मनीष - शोभना लोंग्या

सह-समन्वयक :: विनोद - हेमा सोगानी, चक्रेश -पिंकी जैन, अनिल-प्रेमा रांवका राजेश - रानी पाटनी, अनिल - ज्योति जैन चौधरी

संयोजक :: धीरज-सीमा पाटनी, नितेश-मीनू पाण्ड्या, संजय-ज्योति छाबड़ा, सपन-रजनी जैन छाबड़ा, पंकज-नीना जैन विजय-माया झांझरी, सुधीर-अलका गोधा, अजय-वर्षा बाकलीवाल

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर

राजेश-सीमा बड़जात्या अध्यक्ष | अनिल-शशि जैन संस्थापक अध्यक्ष | निर्मल-सरला संघी महासचिव

महेन्द्र कुमार पाटनी वरिष्ठ परामर्शक | सुरेन्द्र-मदुला पाण्ड्या परामर्शक | नवीन सेन-शशि जैन परामर्शक

यशकमल-संगीता अजमेरा निर्वतमान अध्यक्ष | अतुल-निलिमा बिलाला पूर्व अध्यक्ष | पारस-मंजू जैन कोषाध्यक्ष

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

राकेश-समता गोदिका अध्यक्ष | दिनेश-संगीता गंगवाल परामर्शक | मनीष-शोभना लोंग्या कार्याध्यक्ष | सुनील-सुनीता गोदिका उपाध्यक्ष | चक्रेश-पिंकी जैन उपाध्यक्ष | राकेश-रेणु संघी उपाध्यक्ष | महेन्द्र-सुनिता कासलीवाल उपाध्यक्ष | अनिल-निशा संघी सचिव

कमल-मंजु ढोलिया सांस्कृतिक सचिव | राजेश-रितु छाबड़ा संगठन सचिव | राजेश-रानी पाटनी संगठन सचिव | प्रदीप-प्राची बाकलीवाल संयुक्त सचिव | चेतन-डॉ.अनामिका पापडीवाल संयुक्त सचिव | राजेन्द्र-कुसुम जैन खेल सचिव | अनिल-अनिता जैन कोषाध्यक्ष

कार्यकारिणी सदस्य : अनिल-ज्योति चौधरी * डॉ अनुपम-विनीता जैन * सपन-रजनी छाबड़ा * नितेश-मीनू पाण्ड्या * विशेष आमंत्रित : अशोक-अर्चना पाटनी * अशोक सेठी

सम्पर्क सूत्र :: 9414078380, 9829067076, 9785074581, 9887555249, 9414073035

मुद्रक : वर्धमान प्रिण्टर्स 9314263204

वेद ज्ञान

समाज से है अस्तित्व

इंसान समाज में रहता है। इसलिए समाज ने उसके कुछ दायित्व भी तय किए हैं। मनुष्य को कभी भी यह नहीं भूलना चाहिए कि उसका अस्तित्व समाज से है, समाज का उससे नहीं। जो मनुष्य समाज से अलग-थलग चलते हैं उन्हें जीवनभर मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, जबकि जो व्यक्ति समाज के साथ चलते हैं उनकी बड़ी समस्या भी मिनटों में हल हो जाती है। इसका कारण यही है कि सामाजिक होने के कारण ही प्रत्येक व्यक्ति हमारी समस्या या चिंता का निदान खोजने की कोशिश करता है। प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर जनहित और लोक-कल्याण के बारे में सोचे। जब हम दूसरों के बारे में सोचकर कर्म करते हैं तो हमें इसका दोहरा लाभ मिलता है। हमें आत्मसंतुष्टि का अहसास होता है, जबकि ऐसा करके हम अपने भविष्य के कष्टों को भी कम करते हैं। हमारे जनहित के कार्य से जितने भी लोग प्रभावित-लाभान्वित होते हैं वे बदले में हमें प्यार, स्नेह, आशीर्वाद और दुआ देते हैं जिससे हमारे कष्ट अप्रभावी हो जाते हैं या फिर हममें उन्हें सहने की असीम ताकत आ जाती है। इसी तरह यदि हमसे भूतकाल में जाने-अनजाने कोई पाप या गलत कार्य हो गया हो तो भी जनहित से जुड़े कार्य करके मनुष्य पश्चाताप या मुक्ति प्राप्त कर सकता है। धर्म शास्त्रों में कहा गया है कि यदि किसी मनुष्य ने अपने जीवन का तीन चौथाई हिस्सा गलत कार्यों में खर्च कर दिया है तो भी वह शेष बचे समय में सद्कर्म या जनहित के कार्य करके पश्चाताप कर सकता है। अर्थात अंत भला तो सब भला। जिस बात से मनुष्य अनजान है वह यह है कि जनहित के कार्य करने के लिए मनुष्य को केवल एक छोटा-सा प्रयास करना होता है। इसके बाद बड़े से बड़ा काम भी बहुत आसानी से हो जाता है। उदाहरण के लिए यहां पंडित मदन मोहन मालवीय का जिक्र किया जा सकता है जिन्होंने दान के पैसे से काशी जैसे प्रसिद्ध विश्वविद्यालय का निर्माण कराया। ऐसे बहुत से उदाहरण हमारे आसपास मौजूद हैं। कहने का सार यही है कि दुख-दर्द सभी के जीवन में हैं, लेकिन जो व्यक्ति अपने दुखों को ही सबसे बड़ा और जटिल मान लेता है उससे जनहित के कार्य करने की अपेक्षा नहीं की जा सकती।

संपादकीय

राहत की उम्मीदों पर पानी फेर रही खुदरा महंगाई में बढ़ोतरी

इसमें कोई शक नहीं कि जनजीवन की आम गतिविधियों के ठप या कम होने की वजह से सभी क्षेत्रों में उत्पादन में गिरावट आती है और मांग के अनुपात में आपूर्ति नहीं हो पाने के चलते किसी भी वस्तु की कीमत ऊंची रहती है। लेकिन ऐसे मामले भी छिपे नहीं हैं कि बाजार की संचालक शक्तियां कई बार सामानों की आपूर्ति को मनमाने तरीके से नियंत्रित करके कीमतों को प्रभावित करती हैं। कुछ समय पहले जब बाजार में रोजमर्रा की जरूरत की कुछ चीजों की कीमतों में गिरावट आई थी तब यह उम्मीद जगी थी कि महंगाई के लंबे दौर से लोगों को शायद धीरे-धीरे राहत मिल सकेगी। लेकिन अब एक बार फिर खुदरा महंगाई ने बढ़ोतरी का जो रुख अख्तियार किया है, उससे राहत की उम्मीद एक बार फिर धुंधली पड़ने लगी है। यों सरकारी आंकड़ों में थोक मुद्रास्फीति दो साल से अधिक समय के निचले स्तर 3.85 फीसद पर आ गई है और थोक महंगाई की दर में भी गिरावट दर्ज हुई है। लेकिन अगर

खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़े हैं तो आम जनता के लिहाज से महंगाई के प्रभाव को इसी आधार पर देखा जाएगा। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक थोक मुद्रास्फीति में गिरावट मुख्य रूप से विनिर्मित वस्तुओं, ईंधन और ऊर्जा के दामों में कमी की वजह से हुई है। हालांकि इसी दौरान खाने-पीने के सामानों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई। यों इस साल फरवरी लगातार नौवां महीना है, जब थोक मुद्रास्फीति में गिरावट दर्ज की गई है। लेकिन जनवरी में खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति जो दर 2.38 फीसद थी, वह फरवरी में 3.81 फीसद हो गई। जाहिर है, थोक महंगाई में नरमी के रुख के बावजूद आम लोगों को जरूरी वस्तुओं की कीमतों के स्तर पर न केवल कोई राहत नहीं मिली, बल्कि पहले ही इस समस्या से जूझते लोगों की मुश्किलें और गहरी हुईं। दरअसल, खासतौर पर खाने-पीने के सामानों के दामों में बढ़ोतरी का असर मुख्य रूप से इससे जुड़ा होता है कि लोगों की आमदनी कितनी संतोषजनक है और उनकी क्रयशक्ति की सीमा क्या है। अगर वस्तुओं की कीमतों में इजाफे के समांतर लोगों की आय में भी बढ़ोतरी होती है तो इसे एक बोझ के तौर पर नहीं देखा जाता है। करीब तीन साल पहले महामारी की वजह से हुई पूर्णबंदी का बाजार से लेकर कामकाज या रोजगार के सभी क्षेत्रों पर जो असर पड़ा था, उससे अब धीरे-धीरे राहत मिल रही है, लेकिन उसके नतीजे आज भी महसूस किए जा सकते हैं। इसमें कोई शक नहीं कि जनजीवन की आम गतिविधियों के ठप या कम होने की वजह से सभी क्षेत्रों में उत्पादन में गिरावट आती है और मांग के अनुपात में आपूर्ति नहीं हो पाने के चलते किसी भी वस्तु की कीमत ऊंची रहती है। लेकिन ऐसे मामले भी छिपे नहीं हैं कि बाजार की संचालक शक्तियां कई बार सामानों की आपूर्ति को मनमाने तरीके से नियंत्रित करके कीमतों को प्रभावित करती हैं। अब विशेषज्ञों की ओर से जो आशंका जाहिर की जा रही है, अगर वह सच हुई तो आने वाले महीनों में खासतौर पर खाद्य मुद्रास्फीति के मामले में और मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। गौरतलब है कि जलवायु प्रणाली में उथल-पुथल के रूप में अलनीनो के तीव्र प्रभाव से जुड़े जैसे संकेत सामने आ रहे हैं, उसका असर बहुस्तरीय हो सकता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

हथियारों का दुरुपयोग

अब अमेरिका में हुई ताजा कवायद की अहमियत यह भी है कि लंबे समय से बंदूकों की सहज उपलब्धता का खमियाजा उठाने के बाद वहां के लोगों ने अपने स्तर पर भी इसके खिलाफ मोर्चा खोलना शुरू कर दिया है और व अमेरिका में आए दिन ऐसी खबरें आती रहती हैं कि किसी सिरफिरे ने अपनी बंदूक से कहीं स्कूल में तो कभी बाजार में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उसमें नाहक ही लोग मारे गए। प्रथम दृष्टया यह कोई आपराधिक या आतंकवादी घटना की तरह लगती है, जिसमें सुनियोजित तरीके से ऐसी वारदात को अंजाम दिया जाता है। कई मामलों में ऐसा संभव भी है। लेकिन इसके पीछे एक बड़ा कारण वहां आम लोगों के लिए हर तरह के बंदूकों की सहज उपलब्धता है। कोई घातक हथियार साथ में होने के बाद मामूली बातों पर होने वाले झगड़े या फिर बेवजह ही किसी के उन्माद से ग्रस्त हो जाने पर कैसे नतीजे सामने आ सकते हैं, अमेरिका ने उसे करीब से देखा है, जहां हर साल सैकड़ों लोग इसकी वजह से मारे जाते हैं। किसी भी संवेदनशील समाज को इस स्थिति को एक गंभीर समस्या के रूप में देखना-समझना चाहिए। यह बेवजह नहीं है कि जिस अमेरिका में ज्यादातर परिवारों के पास अलग-अलग तरह की बंदूकें रही हैं, वहां अब इस हथियार की संस्कृति के खिलाफ आवाजें उठनी शुरू हो गई हैं। इसी के मद्देनजर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मंगलवार को बंदूक के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने से संबंधित एक नए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए। इसके तहत बंदूक की बिक्री के दौरान की जाने वाली ह्यपृष्ठभूमि जांचह्ण को बेहतर बनाया जाएगा। इसके जरिए बाइडेन ने मंत्रिमंडल को बंदूक हिंसा से जूझ रहे समुदायों के समर्थन के लिए एक बेहतर सरकारी तंत्र बनाने का निर्देश दिया है। यह छिपा नहीं है कि बिना किसी वजह के की गई गोलीबारी में किसी प्रियजन को गंवाने वालों को किस तरह के मानसिक आघात और अन्य मुश्किलों से जूझना पड़ता है। अब नए आदेश के तहत शोक और आघात का सामना करने वाले लोगों को अधिक मानसिक स्वास्थ्य सहायता, पीड़ितों और लंबी पुलिस जांच प्रक्रिया के दौरान बंद होने वाले कारोबारों को वित्तीय मदद भी मुहैया कराने का प्रावधान किया गया है। लेकिन सबसे ज्यादा जरूरत बंदूकों की निर्बाध बिक्री करने वाले और उसके खरीदारों पर अंकुश लगाने की थी। अब संघीय लाइसेंस प्राप्त बंदूक कारोबारियों के लिए नियम बनाने का निर्देश गया है, जिसके तहत डीलरों की पृष्ठभूमि की जांच जरूरी होगी। दरअसल, मामूली बातों पर आवेश में आकर बंदूक चला देने के पीछे हाथ में हथियार होने से जुड़ा मनोविज्ञान काम करता है। यों भी हिंसा के स्वरूप में ज्यादा विकृति और क्रूरता हथियारों की सुलभता पर निर्भर है। हत्या की ऐसी घटनाएं आमतौर पर इसलिए होती हैं कि गुस्से या अपनी कुंठाओं पर काबू नहीं रख पाने वाले किसी उन्मादी व्यक्ति के पास गुस्से में होने के वक्त बंदूक उपलब्ध थी। ऐसे मामले आम हैं, जिनमें आपसी वाद-विवाद में आक्रोश और उत्तेजना के चरम पर पहुंच जाने के बाद भी दो लोगों या पक्षों में सुलह हो जाती है, क्योंकि उनके पास तकरार के वक्त हथियार नहीं रहा होता है। अब अमेरिका में हुई ताजा कवायद की अहमियत यह भी है कि लंबे समय से बंदूकों की सहज उपलब्धता का खमियाजा उठाने के बाद वहां के लोगों ने अपने स्तर पर भी इसके खिलाफ मोर्चा खोलना शुरू कर दिया है और वहां जनता के एक बड़े हिस्से के बीच आक्रोश काफी बढ़ गया है।

मुरेना में 3 अप्रैल महावीर जन्म कल्याणक पर भव्य रथयात्रा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे

नरेश जैन टिल्लू संयोजक मनोनीत

मनोज नायक. शाबाश इंडिया। मुरेना भगवान महावीर स्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव 03 अप्रैल को विभिन्न धार्मिक एवं सांस्क्रतिक कार्यक्रमों के साथ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जाएगा। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पंचायती बड़ा मन्दिर कमेटी मुरेना के उपाध्यक्ष अभिषेक जैन टीटू (आलोक प्रेस) द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव 03 अप्रैल को मनाया जाएगा । गत दिवस आयोजन की रूपरेखा बनाने हेतु श्री प्रेमचंद जैन (बन्दना साड़ी) की अध्यक्षता में सकल जैन समाज मुरेना की आम पंचायत बुलाई गई जिसमें नरेश जैन टिल्लू (गढ़ी वाले) को संयोजक मनोनीत किया गया। आम पंचायत के निर्णयानुसार इसवार महावीर जयंती के चल समारोह में बाजारू झांकियों को सम्मिलित नहीं किया जाएगा। जैन धर्म के सिद्धांतों पर आधारित झांकिया स्वयं ही तैयार की जाएगी। महावीर जयंती से पूर्व रविवार 02 अप्रैल को प्रातःकालीन वेला में प्रभातफेरी निकाली जाएगी। शाम को महाआरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे ।सोमवार 03 अप्रैल को भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। भगवान महावीर स्वामी को रथ पर विराजमान कर विशाल एवं भव्य चल समारोह निकलेगा। चल समारोह में सबसे आगे घोड़ों पर पचरंगी धर्मध्वजा लेकर युवा साथी सवार होंगे। महिलाएं पीत वस्त्र धारण कर मंगलगान करती हुई चलायमान रहेगी। पुरुषवर्ग सफेद वस्त्रों में सिर पर टोपी एवं गले में पीत पट्टिका डाले भक्ति नृत्य प्रस्तुत करेंगे। चल समारोह के दौरान विभिन्न स्थानों पर भगवान महावीर स्वामी की आरती उतारी जाएगी एवं भव्य अगवानी की जाएगी।

जैन सोशल ग्रुप मानसरोवर द्वारा तीर्थ यात्रा का आयोजन 7 अप्रैल से 10 अप्रैल तक

अतिशय क्षेत्र गोलाकोट व उसके आस-पास की शाकाहार धार्मिक यात्रा करवाएंगे

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप मानसरोवर की धार्मिक यात्रा का आयोजन 7 अप्रैल से 10 अप्रैल तक किया जायेगा। ग्रुप अध्यक्ष ज्योतिषाचार्य पंडित विनोद शास्त्री व सचिव सोभाग मल जैन ने बताया कि 7 अप्रैल को दुगार्पुरा रेलवे स्टेशन से शाम 5.15 पर जयपुर भोपाल एक्सप्रेस ट्रैन से रवाना होकर 8 अप्रैल को सुबह अशोक नगर स्टेशन पहुंचेंगे कअशोक नगर रेलवे स्टेशन से 2x2 AC बस द्वारा थूबोनजी में अभिषेक वंदना खाना लेने के बाद खंडागिरि, कटी घाटी (ऐतिहासिक क्षेत्र) चंदेरी चौबीसी में शाम का खाना ले कर गोलाकोट के लिए रवाना होंगे। रात्रि विश्राम गोलाकोट में होगा। 9 अप्रैल को को सुबह गोलाकोट के दर्शन पूजा अभिषेक खाना लेकर दिन में 11.30 बजे पचराइ अतिशय क्षेत्र, अशोक नगर त्रिकाल चौबीसी , बजरंगगड के दर्शन साय काल का खाना ले कर रात्रि रात्रि 10.45 बजे गुना रेलवे स्टेशन से वापिस जयपुर के लिए रवाना हो जाएंगे । 10 अप्रैल को सुबह जयपुर पहुंचेंगे।

शशि सेन जैन बनी होली क्वीन

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानसरोवर स्वीट क्लब के होली मिलन समारोह में शशि सेन जैन को ''होली क्वीन'' की उपाधि से नवाजा गया। कार्यक्रम संयोजिका मंजू शाह एवं मिथलेश गोधा ने बताया कि होली मिलन कार्यक्रम में होली थीम पर हाउजी, गेम्स खिलाए गए एवं मंजू शाह द्वारा सभी सदस्यों का गुलाल तिलक होली मिलन का बैज एवं टियारा लगाकर शानदार स्वागत किया गया। सभी को होली के टाइटल सुनाए गए तथा जमकर होली होली गीतों पर नृत्य कर फाग का आनंद सभी सदस्यों ने उठाया। फूलों की होली खेलने से वातावरण महक उठा। कार्यक्रम में रजनी लुहाडिया, मंजू बाकलीवाल, ललिता बाकलीवाल, प्रभा जैन, मंजू बडजात्या, सुशीला त्यागी, चंद्रप्रभा गोदिका, शांता पाटोदी, शीला पापड़ीवाल, ममता कासलीवाल आदि उपस्थित थे।

पर्व बड़जात्या

को जन्मदिन की बहुत-बहुत

हार्दिक शुभकामनाएं

स्वर्गीय पदम चन्द, चंचल देवी जैन (नवीन-विनीता जैन) (कमल-मधु जैन) (राकेश-सरोज जैन) (मनीष-नीरज जैन) (नवीन-मीनाक्षी) (राहुल-मोनिका जैन) (रोहित-कीर्ति) वैभव, अर्चित, विविधा, नेहल, आदित्य, कीर्तिका, हार्दिक, गहना, इशिता, दविश, मानवी अनिका, दक्ष, दीक्षा, एवं समस्त बड़जात्या परिवार नसीराबाद।

पारसनाथ दिगंबर जैन महिला मंडल चोमूं बाग का फागोत्सव संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर में पारसनाथ दिगंबर जैन महिला मंडल चोमू बाग ने गणगौर व पिंक थीम पर धनराज रेस्टोरेंट में फागोत्सव मनाया। महिला मंडल की अध्यक्ष सरोज सोगानी व मंत्री दीपशिखा अजमेरा ने बताया कि समारोह में फागुन की रानी प्रियंका जैन व गणगौर की रानी आन्या जैन को चुना ।कई गेम लकी ड्रा हाउजी व फूलों की होली भी खिलाई गई । इसमें कविता, कमला, रेखा भी शामिल थी । समारोह की मुख्य अतिथि संगीता व निहारिका थी ।

यशकंवर जी म.सा त्रिदिवसीय जन्मोत्सव आयोजन

इंसान जैसा करेगा वैसा ही बनेगा: प्रवर्तक सुकन मुनि

पाली. शाबाश इंडिया

शैतान और भगवान बनने का गुण किसी के पास तो वह स्वंय के पास है ।किसी को क्या बनना है यह रास्ता स्वयं को ही छुनना पड़ेगा। प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज ने शनिवार को जैन स्थानक रूई कटला मे राजस्थान प्रवर्तनी यशकंवर जी महाराज के त्रिदिवसीय जन्मोत्सव आयोजन अर्तगत दुसरें दिन नवकार महामंत्र और आंयबिल की तपस्या करने वाले तपस्वी भाई बहनो और सभा मे उपस्थित श्रध्दालुओं को सम्बोधित करतें हुयें कहां कि जीवन बनाना और बिगाड़ा इंसान के खुद के हांथो मे है । मेवाड़ सिंहनी यशकंवर जी महाराज का जीवन खुली किताब कि तरह था जिन्होंने भगवान महावीर स्वामी के पथ सत्य अहिंसा को चुनकर अपने जीवन को संवाराने के साथ धर्म से भटक चुके प्राणियों को सदमार्ग दिखाया। उपप्रवर्तिनी मैनाकंवर म.सा ने गुरूणी मय्या यशकंवर जी महाराज की जीवन पर प्रकाश डालते हुये कहा कि मां से भी कोई बढ़कर था तो वह गुरूणी मय्या जिनकी महिमा को शब्दो मे बयाकर पाना मुश्किल है। भौतिक रूप से आज हमारे बिच मे उनकी देह नही है ।परन्तु अदृश्य शक्ति की तरह तरह भक्त जनों के बिच मौजूद है।युवा प्रणेता महेश मुनि ने भजन माध्यम से भाव प्रकृट किये।धर्मसभा मे बालयोगी अखिलेश मुनि और साध्वीमंडल की उपस्थिति रही।

मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने कहा...

महान आत्माओं की संगति से पोजिशन बनती है

मुनिसंघ का यशोदय तीर्थ महरौनी में हुआ भव्य आगमन, अंचल भर से भक्तों ने पहुंचकर की भव्य आगवानी

महरौनी. शाबाश इंडिया

हीन शक्तियों से पोजिशन नहीं बनती पोजिशन बनती है महान आत्माओं से उनके पवित्र स्थान से उनकी साधना तपस्या, संगति से। महरौनी की पोजिशन यशोदय तीर्थ से बनेगी जहां दुनियाभर से भक्त आकर भगवान को ढोक देगा आज महरौनी में गुरु के आगमन से पोजिशन बन रही है पंच कल्याणक महा महोत्सव से आज टीकमगढ़ की पोजिशन बन गई जिसे आप महसूस कर रहे हैं। आज पपौरा तीर्थ क्षेत्र को देख लो कैसे श्रावक रहे होंगे जब यहां आ रहा था तो लोग कह रहे थे टीकमगढ़ से, ललितपुर से भी अच्छी अगवानी हुई भगवान की दृष्टि में गुरु की नजर में तुम्हारी पोजिशन बनेगी तो यशोदय तीर्थ क्षेत्र से बनेगी जिन्होंने एक सौ आठ मन्दिरों का निर्माण कराया। कुंडलपुर के बड़े बाबा को देखो जहां लाखों लाख भक्त पहुंच कर भगवान को ढोक देते हैं। हमें ऐसा पोज बनना है कि सारी दुनिया यशोदय तीर्थ क्षेत्र महरौनी में आकर नमन करे। उक्त आश्य के उद्गार यशोदय तीर्थ महरौनी में भव्य आगवानी समारोह को संबोधित करते हुए मुनिपुगंवश्री सुधासागर जी महाराज ने व्यक्त किए। मुनिश्री ने कहा कि सूर्य निकलकर प्रकाश दे रहा है आप लोगों को प्रकाश लेना है सूर्य तो निकलना ही आप लोगो को लाभ देने के लिए है हमें अपने पात्र को देखना है अपनी पोजिशन बनाना है, तुम ये मत सोचना कि पोजिशन महाराज की बन रही है, महाराज तो कल भी वहीं थे आज भी वहीं हैं। आप ये सोचते हैं कि आपके महरौनी की पोजिशन बन गई तो मेरी पोजिशन बनाने की आवश्यकता नहीं है। ललितपुर में चातुर्मास हुआ और सारा देश कह रहा है कि ललितपुर में ऐतिहासिक चातुर्मास हुआ। ललितपुर की जो पोजिशन बनी है, वह सारा हिंदुस्तान जानता है ये पोजिशन अभिनन्दनोदय तीर्थ के अभिनन्दन नाथ स्वामी के कारण बनी टीकमगढ़ समाज ने भी आज अपनी पोजिशन बनाई है।

नगर वासियों ने मुनि संघ के आगमन पर पलक पांवड़े बिछाए

मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज एवं क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज लगभग पैंतीस दिन टीकमगढ़ को देकर कल दोपहर में यशोदय तीर्थ महरौनी के लिए पद विहार करते हुए सिघई वेयरहाउस टाल प्लाजा में रात्रि विश्राम कर आज प्रातः काल कि वेला में यशोदय तीर्थ के लिए पद विहार कर दिया जहां महरौनी समाज ने मुनि संघ की भव्य आगवानी की सम्पूर्ण मार्ग को तोरणद्वार रांगोली से सजाया गया था जगह जगह भक्तों ने मुनि श्री के पाद प्रक्षालन कर आरती उतार कर श्री फल भेंट कर अपनी भक्ति समर्पित की यह शोभायात्रा यशोदय तीर्थ महरौनी पहुंच कर धर्म सभा में वदल गई जहां प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया के मंगलाचरण कर कहा कि संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य आध्यात्मिकसंत निर्यापक श्रमणमुनिपुंगव श्रीसुधासागर जी महाराज क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज ससंघ का आज हमारे तीर्थ क्षेत्र पर हमें लाभ लेना है।

आपकों अपने कपाटों को खोलकर रखना है

सूर्य निकला है सूर्य आपके घर नैयोता देने नहीं आयेगा आपको अपने घर के कपाट खोलकर सूर्य प्रकाश का स्वागत करते हुए अपनी पोजिशन बनानी होगी मैं यहां आप लोगो की पोजिशन बनाने आया हूं। आपको देखना है कि आप अपनी पोजिशन बनाने के लिए कितनी मेहनत करते हैं ये आपके ऊपर निर्भर करता है आभवन्तरो मे देवता भी बन गये तो कोई नहीं पूछेगा यदि आपने कोई तीर्थ बनाया तो देवताओ के बीच भी आपकी पोजिशन बनेगी। टीकमगढ़ में पंच कल्याणक महा महोत्सव हुआ तो कितने लोगों की नजर में पोजिशन बनी, आज टीकमगढ़ की क्या पोजिशन बनी है आप सब देख रहे हैं। मेरे हृदय में जिनकी तस्वीर बैठी है उनसे आपकी पोजिशन बने जैसे हनुमान जी की पोजिशन बनी हनुमान जी श्री राम के हर काम आये भक्ति की श्री राम की और इतनी भक्ति की आज दुनिया में रामचन्द्र जी के मन्दिर कम है हनुमान जी के मन्दिर ज्यादा है जिनके पोज आप लिए है उनकी दृष्टि में आपकी पोजिशन वनना चाहिए इस दौरान ललितपुर टीकमगढ़ वानपुर महरौनी सहित पूरे अंचल भक्तों ने मुनि संघ को श्री फल भेंट किए ।

इस वर्ष होगा रिकॉर्ड तोड़ नवकार महामंत्र जाप

2622वां भगवान महावीर जन्म कल्याण पर्व। दो सत्रों में 261 करोड़ नवकार महामंत्र का जाप करने का लक्ष्य

छत्रपति संभाजीनगर. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर के 2622 जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर सकल जैन समाज 261 करोड़ नवकार महामंत्र जाप एवं नवकार महामंत्र प्रदर्शनी प्रतियोगिता आयोजित करेगा, आयोजकों ने यह जानकारी श्री. विमलनाथ जैन मंदिर में आयोजित पत्रकार वार्ता में शनिवार (18) को दी। पत्रकार वार्ता में परियोजना प्रमुख रवींद्र मुगड़िया ने बताया कि भगवान महावीर जन्मकल्याणक पर्व के अवसर पर प्रथम चरण में 25 मार्च से 2 अप्रैल 2023 एवं 2 अप्रैल से 11 अप्रैल 2023 के बीच 261 करोड़ नवकार मंत्रों का जाप करने का निर्धारित किया गया है. इससे पहले 2021, 2022 में क्रमशः 115 करोड़ और 36 करोड़ नवकार मंत्र जाप संपन्न हुए थे। इसमें औरंगाबाद समेत दुनिया भर के जैनों ने शिरकत की। इस वर्ष, भारत और दुनिया भर के जैन इस नवकार मंत्र जप में भाग लेंगे। नवकार मंत्र जप में भाग लेने के लिए www.vishwanavkar.com लिंक पर जाकर मोबाइल नंबर जोड़कर लॉग इन कर सकते हैं। उसके बाद स्वयं और परिवार के सदस्यों का नाम दर्ज कर सकते हैं और फिर जप किए गए णमोकार मंत्र की संख्या दर्ज कर सकते हैं। उपयोगकर्ता अपने होम पेज पर जा सकते हैं और कुल संख्या देख सकते हैं।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप का 15 वां स्थापना दिवस रविवार को

समारोह में होंगे रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप का 15 वां स्थापना दिवस समारोह सैनिक नगर स्थित श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रांगण में रविवार को समय 5:00 बजे से हर्ष उल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा। ग्रुप के अध्यक्ष विमल जैन गोधा एवं प्रवक्ता नरेंद्र जैन नृपत्या ने बताया कि समारोह के दौरान संगठन की गतिविधियां पर चर्चा की जाएगी वह आने वाले समय में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा भी तैयार की जाएगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रभारी मोनिका जैन के निर्देशन में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम से जुड़े सुनील जैन ने बताया कि कार्यक्रम में उप जिला कलेक्टर वजीरपुर श्री जवाहरलाल जैन रेलवे के सहायक मंडल इंजीनियर अनिल कुमार जैन एवं पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अध्यक्ष महावीर प्रसाद जैन मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगे। इस दौरान पित्र वंदन मातृ अभिनंदन कार्यक्रम की आयोजित किया जाएगा।

ग्रुप के अध्यक्ष विमल जैन गोधा एवं प्रवक्ता नरेंद्र जैन नृपत्या ने बताया कि समारोह के दौरान संगठन की गतिविधियां पर चर्चा की जाएगी

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

कुप्रथाः आज भी मुक्त नहीं महिलाएं

भारत में न जाने कितनी ही ऐसी कुप्रथाएं और कुरीतियां हैं जिनसे महिलाएं अपने दैनिक जीवन में प्रताड़ित हो रही हैं। एक तरह से देखा जाये तो उन्हें इसकी आदत सी हो गयी है, जो भी महिलायें इन मुद्दों के खिलाफ अपनी बात रखना चाहती भी हैं, उन्हें घरवालों और समाज की दकियानूसी सोच चुप करवाकर बैठा देती है। केवल शारीरिक रूप से ही नहीं बल्कि मानसिक व भावनात्मक रूप से भी ऐसी प्रताड़ना हमारी स्वास्थ्य संबंधी मुश्किलों को बढ़ा सकती हैं। आज की पीढ़ी वैसे ही अपने खान-पान और रहन-सहन की वजह से ना जाने कितने ही रोगों का शिकार हो रही है। ऐसे में अगर बात महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य पर आ जाये तो इससे जरूरी और कुछ नहीं। कुदरत ने स्त्रियों को दुनिया चलाने की शक्ति दी है। लेकिन समाज की गढ़ी गयी रूढ़िवादी सोच से पनपी कुछ कुरीतियां इस शक्ति को कमजोर करने में आज भी नंबर वन हैं। सदियों से चली आ रही ऐसी बहुत सी प्रथाएं और मान्यताएँ हैं जो एक औरत की अंतरात्मा को खोखला कर देती हैं। ये स्त्री द्वेषी विचार एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को सौंपे जा रहे हैं। हाँ यह जरूर है कि धीरे-धीरे शिक्षा व जागरूकता से इनमें बदलाव आ रहा है। पर ग्रामीण क्षेत्रों और पिछड़े इलाकों में ये अब भी चलन में हैं। चाहे बात करें माहवारी से जुड़े मिथकों की या फिर यौन सम्बंधित विषयों की हर तीर का निशाना स्त्रियाँ ही होती हैं। माहवारी के समय रसोईघर से दूर रहना, मंदिरों के आसपास ना जाना, यहाँ तक की सात दिन घर के बाहर रहना और अलग बर्तनों का इस्तेमाल करना। आज भी ऐसी बहुत-सी बच्चियां और स्त्रियाँ हैं जिन्हें यह प्रताड़ना झेलनी पड़ती है। उन्हें अपने ही घर के बाहर खाना पकाना पड़ता है। सोना पड़ता है और छुआछूत का सामना करना पड़ता है। इस समय वैसे ही महिलाएं शारीरिक रूप से दर्द व कमजोरी से जूझती हैं, ऐसे में मानसिक प्रताड़ना अलग से दे दी जाती है। गंदे कपड़े का इस्तेमाल और सही खानपान का न मिल पाना तो हम सबको पता ही है। यह सारी चीजें कुल मिलाकर एक महिला के प्रजनन स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डाल सकती हैं। छोटी उम्र में लड़कियों की शादी करवाना भले ही हमारे देश में बहुत पहले गैरकानूनी करार दिया गया है। लेकिन आज भी यह चीज छुपते-छुपाते हो रही है। समय से पहले शादी होने के कारण लड़कियां शारीरिक रूप से मैच्योर नहीं हो पाती और गर्भवती हो जाती हैं। इससे उनके प्रजनन स्वास्थ्य पर गलत असर पड़ता है जिससे प्रसव के दौरान कठिनाई भी आ सकती है। यह कठिनाई भविष्य में खतरनाक बीमारियों का रूप ले सकती है। लड़की के जन्म होने के बाद भी लड़का पैदा करने की चाह लोगों में बनीं रहती है। इसके लिए लोग कुछ भी करने को तैयारी हो जाते हैं। महिलाओं को तांत्रिक व जादू टोना करने वालों के पास ले जाकर झड़वाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है। विभिन्न प्रकार की जड़ी बूटियां खिलाई जाती हैं। अनूठी पूजाएं करवाई जाती हैं। इसी के साथ ही बांझपन मिटाने के लिए भी ना जाने कितने अंधविश्वासी उपचार करवाये जाते हैं। यह जानते हुए भी कि इन कुरीतियों से एक महिला के शरीर पर किस तरह के गंभीर दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं, लोग अपने '**वंश**' को आगे बढ़ाने के लिए हर कोशिश करते हैं। कई बार तो यह भी नहीं देखा जाता कि समस्या महिला में है या पुरुष में। किसी भी महिला के साथ घर की चहारदीवारी के अंदर होने वाली किसी भी तरह की हिंसा, मारपीट, उत्पीड़न आदि के मामले इसी के अंतर्गत आते हैं। महिला को ताने देना, गाली देना, उसका अपमान करना, जबरन शादी के लिए बाध्य करना आदि जैसे मामले भी घरेलू हिंसा के दायरे में आते हैं। पत्नी को नौकरी छोड़ने के लिए मजबूर करना, दहेज की मांग के लिए मारपीट करना आदि सामाजिक कुरीतियों के भंवर जाल में फंसी नारियां सब सहती है नियम मानने पर मजबूर ये महिलायें है। उन्हें शिक्षा से वंचित रखकर कायदे कानून मे रखा जाता है भले ही ये सब सामने खुल कर नहीं होता पर चोरी चुपके से अकेले में प्रताड़ित किया जाता रहा है। दहेज प्रथा, भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियां आज भी फैली हुई है। स्त्रियों के विकास में बाधक समाज के कुछ बर्ग उन्हें नौकरी के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने नहीं देते। स्त्री चाहे जिस भी वर्ग जाति समूह की रही हो वह जन्म से ही अपने आपको असहाय और अबला समझकर सदैव पुरुषवादी मानसिकता का शिकार होती रही है। आज समाज में तमाम तरह के बंधनों से जकड़ी महिलाएं स्वयं की मुक्ति और अपनी अस्मिता के लिए देश के हर कोने से आवाज उठा रही हैं। बुजुर्गों ने तत्कालीन परिस्थितियों के अनुसार उस समय परिवारों में ऐसी परम्पराएँ विकसित कर ली जो वर्तमान परिस्थितियों में प्रगति में बाधक है। जैसे पर्दा प्रथा एक रूढ़ि है जिसका प्रभाव भारत में स्थित अन्य समाजों पर भी गहरा पड़ा है। पर्दा प्रथा के कारण महिलाएँ घर से बाहर नहीं निकलती है। बालिकाओं को इसी रूढ़िवाद के कारण स्कूलों में पढ़ने नहीं भेजते थे। महिलाओं की शिक्षा जरूरी नहीं है क्योंकि यह तो पराया धन है। ऐसी मान्यता से आज भी आदिवासी क्षेत्रों में तथा श्रमिक वर्गों में बच्चियों को माता-पिता स्कूल नहीं भेजते हैं। धनार्जन का काम पुरुषों के अधिकार में है। ऐसी रूढ़िवाद से महिलाएँ पराश्रित यानि परिवार के पुरुषों पर ही आश्रित रहने लगी। इससे उनका जीवन दुखी हो गया। धार्मिक क्षेत्र में भी रूढ़ियाँ या अन्धविश्वास है। पति परमेश्वर की धारणा ने विधवाओं के जीवन को अत्यधिक कष्टमय बना दिया है। पति की मृत्यु के बाद वह दूसरा विवाह नहीं कर सकती, दूसरी ओर परिवार वाले उसे पारिवारिक सम्पत्ति से भी वंचित कर देते हैं। ईन सारी कुरीतियों को दूर करना चाहिए ईन क्षेत्रों से जहां आज भी जकड़ी है महिलायें। जागरूकता अभियान चलाकर शिक्षित करके नई चेतना उत्पन्न करना चाहिए।

पूजा गुप्ताः मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

श्री दिगंबर जैन महासमिति के दो दिवसीय अधिवेशन का हुआ आगाज

चंद्रेश जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीरजी। श्री महावीरजी स्थानीय श्री दिगंबर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय के सभागार भवन शनिवार को दो दिवसीय श्री दिगंबर जैन महासमिति के अधिवेशन की शुरूआत झंडारोहण द्वारा किया गया तदुपरांत दीप प्रज्वलित कर मंगलाचरण का पाठ किया गया तथा मंगलाचरण से शुरूआत हुए इस मौके पर आए हुए बाहर से अतिथि गण का दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र प्रबंध कारिणी कमेटी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल धर्मपत्नी रितु कासलीवाल ने भामाशाह अशोक पाटनी की धर्म पत्नी सुशीला पाटनी का माला पहना कर एवं शॉल उड़ाकर सम्मान किया क भगवान महावीर की छायाचित्र भेंट किया इस अवसर पर विशेष अतिथि महिलाओं का रितु कासलीवाल ने स्वागत किया एवं आए हुए गणमान्य महा समिति के अध्यक्ष अतुल पाटनी कमल गंगवाल महामंत्री व गणमान्य लोगों का स्वागत किया कइस मौके पर 1 अप्रैल से 8 अप्रैल तक मेले के वार्षिक पोस्टर का विमोचन किया गया कइस अवसर पर अनेक गणमान्य अतिथि राकेश पालीवाल,प्रकाश पाटनी, अमित वैद, संजय जैन, श्रेयांस पाटनी, मनीष अजमेरा,दीपक दौसी,अंकित पाटनी,विजय पांड्या, देवर्ष गंगवाल आदि उपस्थित थे कइस

अवसर पर अजमेर से दिगम्बर जैन महासमिति की महिलाएं एवं पुरुष अनेक शहरों से आए थे क यह दो दिवसीय अधिवेशन रविवार तक चलेगा।

हीरो मोटोकॉर्प अब कस्टमर को फील गुड कराने की राह पर

मेवाड़ में हीरो टू-व्हीलर के नई पीढ़ी के शोरूम मनामा 2.0 का उद्घाटन

उदयपुर. शाबाश इंडिया। मोटरसाइकिल और स्कूटर बनाने वाली सबसे बड़ी टू-व्हीलर कम्पनी हीरो मोटोकॉर्प अब कस्टमर्स को फील गुड कराने की राह पर है। हीरो ने अपने सभी शो-रूम को ग्रे और व्हाइट रंग की थीम से ही सजाने का निर्णय किया है। इस नई थीम को लेकर मेवाड़ क्षेत्र के डेढ़ दर्जन शो-रूम में से उदयपुर शहर के मनामा मोटर्स ने खुद को नया रूप दिया है जिसका उद्घाटन शनिवार को किया गया। बीएन कॉलेज के सामने स्थित मनामा हीरो बाइक के इस परिवर्तित हाईटेक शोरूम 2.0 का उद्घाटन नगर निगम उदयपुर के उपमहापौर पारस सिंघवी, राजस्थान विद्यापीठ वि.वि. के कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, कम्पनी के जोनल हैड संजय सिंह, रॉयल मोटर्स के मालिक शब्बीर के. मुस्तफा, मनामा मोटर्स के मालिक हुसैन मुस्तफा ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर शोरूम के मालिक हुसैन मुस्तफा ने मीडिया को बताया कि यह अगली पीढ़ी के 2.0 प्रोजेक्ट का शोरूम है जहां ग्राहकों को गाड़ी खरीदने से लेकर उसकी सर्विसिंग तक में बिल्कुल नया और सुखद अहसास होगा। मुस्तफा ने बताया कि मनामा मोटर्स राजस्थान, गुजरात व छत्तीसगढ़ में कस्टमर सेटिस्फेक्शन के मामले में तीसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि व्हाइट कलर शीतलता का प्रतीक है, वहीं ग्रे ऐसा रंग है जो व्हाइट के साथ जुड़कर एक सुखद अहसास कराता है। कम्पनी ने इसके साथ ही एक निर्णय यह भी किया है कि कम्पनी की गाड़ियों के मॉडल्स को सेंटर ऑफ अट्रेक्शन रखा जाए, ऑफिस सम्बंधी कार्यों को इनसे कुछ हटकर रखा गया है ताकि कस्टमर को कम्पनी के उत्पाद बेहतर तरीके से नजर आएं। इतना ही नहीं, नई पीढ़ी यह देखना चाहे कि किस रंग की कौन सी गाड़ी का मॉडल उन पर फबेगा, इसके लिए बड़ा आईना भी लगाया गया है। **रिपोर्ट/फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल:9829050939**

राजस्थान प्रवर्तिनी यशकंवरजी म.सा. के जन्मोत्सव आयोजन में शामिल हुई जैन कॉन्फ्रेंस महिला शाखा की पदाधिकारी

पूज्य सद्गुरूणीवर्या का गुणानुवाद, पूज्य सुकनमुनिजी म.सा., पूज्य मैनाकंवरजी म.सा. आदि से मिला आशीर्वाद

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस राजस्थान महिला शाखा की प्रान्तीय अध्यक्ष नीता बाबेल सहित कई पदाधिकारियों ने शनिवार को पाली के रूई कटला में राजस्थान प्रवर्तिनी महासाध्वी यशकंवरजी म.सा. के त्रिदिवसीय जन्मोत्सव आयोजन के दूसरे दिन के कार्यक्रम में सहभागिता निभाते हुए पूज्य सद्गुरूणीवर्या के प्रति अपनी मन की भावनाओं का इजहार करते हुए गुणानुवाद किया। मरूधरा भूषण श्रमण संघीय प्रवर्तक श्री सुकनमुनिजी म.सा. आदि ठाणा-3 एवं प्रवचन चन्द्रिका उप प्रवर्तिनी मैनाकंवरजी म.सा. आदि ठाणा 6 के सानिध्य में आयोजित धर्मसभा में जैन कॉन्फ्रेंस महिला शाखा की प्रान्तीय अध्यक्ष नीता बाबेल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाड़जी मेहता, प्रान्तीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजियादेवी डूंगरवाल, उपाध्यक्ष मंजू पोखरना एवं प्रचार-प्रसार मंत्री शकुन्तला खमेसरा ने पूज्य महासाध्वी यशकंवरजी का गुणगाण करते हुए उनके प्रति मन की असीम आस्था व श्रद्धा का इजहार किया। प्रान्तीय अध्यक्ष श्रीमती बाबेल ने कहा कि सद्गुरूवर्या परम पूज्य श्रीयशकंवरजी महारासा का पूरा जीवन ही हमारे लिए प्रेरणास्त्रोत है एवं उनका जितना गुणगाण किया जाए कम ही प्रतीत होता है।

दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के कार्यक्रम में निवाई टोंक जिले संभाग के पदाधिकारियों ने लिया भाग

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का निवाई टोंक जिले के पदाधिकारियों ने किया स्वागत

विमल जौंला. शाबाश इंडिया

निवाई। दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल का अधिवेशन एवं नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथग्रहण समारोह अनेक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया गया। जिसमें निवाई राजस्थान से महासमिति के पदाधिकारियों ने बढ़चढ़कर भाग लिया। जैन धर्म प्रचारक विमल पाटनी जौंला ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक बड़जात्या, अग्रवाल समाज चौरासी के अध्यक्ष अनिल जैन सुराशाही एवं पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति एन के जैन थे। कार्यक्रम से पूर्व भगवान महावीर स्वामी जी की तस्वीर के समक्ष अग्रवाल समाज चौरासी के अध्यक्ष अनिल जी सूराशाही एवं उत्तम जी पांडया ने लोकार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। जौंला ने बताया कि कार्यक्रम में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के साथ राजस्थान अंचल के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान संभाग टोंक निवाई मालपुरा देवली सवाईमाधोपुर संभाग से प्रमुख समाजसेवी एडवोकेट सुरेन्द्र मोहन जी मालपुरा, संभाग अध्यक्ष निवाई हुकमचन्द जैन प्रेसवाले निवाई, मंत्री विमल कुमार जैन पाटनी जौंला वाले निवाई, कोषाध्यक्ष महेन्द्र कुमार जी जैन लावा वाले निवाई, संरक्षक महावीर प्रसाद जी जैन पराणा वाले निवाई, टोंक संभाग अध्यक्ष पदम जैन चौधरी, मंत्री पदमचंद जी जैन अलियारी टोंक, संरक्षक प्रकाश जी जैन पटवारी टोंक, महावीर प्रसाद जैन झिलाय, पवन जैन मालपुरा, राजकुमार जैन कोठारी देवली, प्रकाश जैन अजमेरा दूनी, सहित अनेक संभागों के पदाधिकारियों का महासमिति अंचल ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। सम्मान समारोह की कड़ी में शाबाश इंडिया के संपादक राकेश गोदिका का भी अशोक लुहाड़िया ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान दिगम्बर जैन महासमिति अंचल के प्रमुख सम्मानीय एडवोकेट एस एम जैन मालपुरा ने सम्बोधन किया। इस अवसर पर निवाई टोंक जिले के पदाधिकारियों ने दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत अभिनन्दन किया।